हमारे अगुवों की ओर से संदेश

डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ काँगों में युद्ध के मध्य उदार प्रेम

किकविट में हिंसा के बाद बच गए लोग (बाएं से दांए) डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉगों के एमडबल्यूसी पश्चिम अफ्रीका के क्षेत्रीय प्रतिनिधि फ्रॉसिस्का इबान्डा, डीकन्स कमीशन की अध्यक्षा सियाका त्रोआरे, आईवरी कोस्ट, और डेनियल गीयसर, स्वीट्ज़रलैण्ड से बातचीत करते हुए। फोटो: जे. नेलसन क्रेयबिल।

विज्ञप्ति जारी करने की तारीख: सोमवार, 19 फरवरी, 2018

डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ काँगों के उदार भाई बहनों से प्रेम रखना कठिन नहीं है, परन्तु इस शानदार देश के ग्रामीण क्षेत्र कासई में हो रही दुखद घटनाओं के अर्थ को समझ पाना कठिन है।

दिसम्बर 2017 में, गृह युद्ध के बाद बचे हुए कुछ लोगों ने मेनोनाइट वर्ल्ड कॉंफ्रेंस के डीकन्स कमीशन के एक प्रतिनिधिमण्डल को यह बताया कि लूटेरों के गिरोहों द्वारा उनके गाँवों पर अचानक हमला कर दिया गया। बन्दूकें और चाकू लेकर ऐसे गिराहों ने पुरुषों और लड़कों को तथा सरकार से किसी भी तरह से जुड़े हुए व्यक्ति को मार डाला।

लोगों को उनके परिवार के सदस्यों के सामने ही मार डाला गया, बच्चों और स्त्रियों के सामने उनके प्रियजनों की हत्या कर दी गई, ये भी मरते मरते ही बचे। गाँव उजाड़ पड़े हैं; हजारों लोगों को जान बचाने पैदल ही भागना पड़ा। बचे हुए लोग भारी सदमें में हैं और उन्होंने अपना सब कुछ – सम्पत्ति, परिवार, समुदाय – खो दिया है। कुछ के शरीर पर यातना के घाव स्पष्ट दिखाई देते हैं। अधिकांश लोग अब कभी अपने जन्म स्थान को लौट नहीं पाएंगे।

डीकन्स कमीशन के इस पासबानी दौरे में मैं भी उनके साथ था, और जब लौटा, तो मेरा मन डीसीआर मेनोनाइट के प्रति कृतज्ञता से भरा हुआ था जिन्होंने अपने कष्टों के बावजूद उदारता और प्रेम के साथ हमारा स्वागत किया।

भारी आर्थिक और राजनैतिक चुनौतियों से जूझ रहे एक देश में, मेनोनाइट लोग आराधना के घरों को उमंग के गीतों और मेलमिलाप व पुनर्स्थापना की आशा भरे संदेश से भर देते हैं। हमने यह देखा कि किकविट और किनशासा के नगरों में मेनोनाइट लोग हर जाति के विस्थापितों की देखभाल कर रहे हैं, जबकि यह एक ऐसा स्थान हैं जहाँ कोई अपने सगे सम्बंधियों की सिवाय और किसी के विषय में नहीं सोचता।

बचे हुए लोगों के एक समूह से, जो स्वयं सदमें में थे, हमारे प्रतिनिधिमण्डल ने किकविट के इग्लिसे फ्रेरेस मेनोनिटास नोवविलु जेरुसलेम में मुलाकात की। उनके वेदना से भरे अनुभवों को सुन कर मेरा मन यूहन्ना के दर्शन की पूर्णता के लिए तरस गया: ''और परमेश्वर आप उन के साथ रहेगा . . .। और वह उन की आँखों से सब आँसु पोंछ डालेगा'' (प्रकाशितवाक्य 21)।

डीआरसी के कुछ भागों में फैली अशान्ति के कारणों में हीरे और सोने की खदानों पर नियंत्रण करने का संघर्ष, गोत्रों के बीच में शत्रुता, राजनैतिक विद्रोह, विदेशी हस्तक्षेप, और अपराधिक गतिविधियाँ शामिल हैं। इस उथल पुथल से बचने के लिए भाग रहे लोग किकविट या अन्य नगरों तक पहुँचने के लिए सप्ताहों और महीनों सैकड़ों मील की जोखिमभरी यात्राएं कर रहे हैं। लंबी कठिन पैदल यात्रा के दौरान मार्ग में ही खतरनाक स्थानों पर गर्भवती महिलाओं को बच्चे जन्म देना पड़ रहा है।

अपनी यात्रा के दौरान, अक्सर मुझे माइकल जे. शार्प का स्मरण आता था, जो अमरीका के मेरे गृह समुदाय का एक युवा था, और जिसे पिछले वर्ष कासई क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र के साथ एक शान्ति मिशन के दौरान मार डाला गया था। माइकल की मृत्यु ने मुझे और एमडब्ल्यूसी परिवार को बुरी तरह से झंझकोर दिया था। डीआरसी के भाई–बहन अपने अनगिनत लोगों को खोने की भारी हानि उठा रहे हैं।

मेनोनाइट सेन्ट्रल कमेटी और अन्य ऐनाबैपटिस्ट संस्थाएं डीआरसी में छाए संकट में राहत कार्य करने सामने आ रही हैं, और एमडब्ल्यूसी विभिन्न एजेन्सियों के बीच वार्तालाप आयोजित करने में सहायता कर रही है। ऑपरेशन गुड समैरिटन नामक एक परियोजना के तहत, किकविट के जिन मेनोनाइट लोगों के पास राहत कार्य के लिए थोड़ा बहुत धन था, उन्होंने अपने घर को बच गए लोगों के लिए खोला जिन्हें वे कभी जानते तक न थे।

किकविट में विस्थापितों की देखभाल कर रहे कार्य के बोझ से पूरी तरह चूर एक कांगोलाई मेनोनाइट डॉक्टर से हमारी मुलाकात हुई, जिन्होंने यह बताया कि अनिवार्य चिकित्सा आपूर्ति प्राप्त कर पाना कितना कठिन या असम्भव है।

डीआरसी में 400 से भी अधिक गोत्र हैं, और इससे कुछ ऐनाबैपटिस्ट लोगों के लिए भी तनाव उत्पन्न हो जाता है। परन्तु किकविट में हमने जिस अनोखे प्रेम को देखा वह विश्वव्यापी कलीसिया के लिए एक आदर्श है। किनशासा के फ्राँसिका इबान्डा, पश्चिम अफ्रीका के एमडब्ल्यूसी क्षेत्रीय प्रतिनिधि ने कहा, ''बहुत सारे गोत्र होना कोई समस्या नहीं है, क्योंकि मसीह में, सभी गोत्र एक साथ मिलकर कार्य कर सकते हैं। हम उन गोत्रों के लोगों से भी प्रेम रख सकते हैं जो हमारे शत्रु हैं।''

– अध्यक्ष जे. नेलसन क्रेबिल के द्वारा जारी एमडब्ल्यूसी विज्ञप्ति।